DEPARTMENT OF HINDI, GAUHATI UNIVERSITY

MODIFIED SYLLABUS FOR B.A. HONOURS UNDER CBCS CURRICULUM

(PASSED IN THE CCS-UG HINDI MEETING HELD ON 18.07.2022)

LIST OF PAPERS

हिन्दी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय

चयन आधारित क्रेडिट-व्यवस्था की पाठ्यचर्या के अन्तर्गत
संशोधित स्नातक (ऑनर्स) पाठ्यक्रम

{दिनांक 18.07.2022 को आयोजित सीसीएस-यूजी (CCS-UG) हिन्दी की बैठक में गृहीत}

प्रश्न-पत्रों की सूची

क्रम-संख्या	प्रश्न-पत्रों के कोड	प्रश्न-पत्रों के शीर्षक
		मुख्य कोर्स {CORE COURSE (कुल 14 प्रश्न-पत्र)}
1	HIN-HC-1016	हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)
2	HIN-HC-1026	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
3	HIN-HC-2016	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता
4	HIN-HC-2026	आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)
5	HIN-HC-3016	छायावादोत्तर हिन्दी कविता
6	HIN-HC-3026	भारतीय काव्यशास्त्र
7	HIN-HC-3036	पाश्चात्य काव्यशास्त्र
8	HIN-HC-4016	भाषाविज्ञान, हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि
9	HIN-HC-4026	हिन्दी कथा साहित्य
10	HIN-HC-4036	हिन्दी नाटक एवं एकांकी
11	HIN-HC-5016	हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य-विधाएँ
12	HIN-HC-5026	प्रयोजनमूलक हिन्दी
13	HIN-HC-6016	हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता
14	HIN-HC-6026	हिन्दी परियोजना कार्य (Hindi Project Work)

योग्यता-वर्धक अनिवार्य कोर्स {ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC) (1 प्रश्न-पत्र)}

1	HIN-AE-1014	हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण

कौशल-वर्धक कोर्स {SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC) (कुल 2 प्रश्न-पत्र)}

1	HIN-SE-3014	कार्यालयीन अनुवाद
2	HIN-SE-4014	अनुवाद विज्ञान

विषय-विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स {DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE (DSE) (कुल 4 प्रश्न-पत्र)}

1	HIN-HE-5016	लोक-साहित्य-चिन्तन
2	HIN-HE-5026	हिन्दी की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा
3	HIN-HE-5036	पूर्वोत्तर भारत में हिन्दी भाषा और साहित्य
4	HIN-HE-6016	छायावादी काव्यधारा
5	HIN-HE-6026	प्रेमचन्द का साहित्य
6	HIN-HE-6036	हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य एवं प्रवासी हिन्दी साहित्य

सामान्य ऐच्छिक कोर्स {GENERIC ELECTIVE (GE) (कुल 4 प्रश्न-पत्र)}

1	HIN-HG-1016	हिन्दी साहित्य का इतिहास
2	HIN-HG-2016	मध्यकालीन हिन्दी कविता
3	HIN-HG-3016	आधुनिक हिन्दी कविता
4	HIN-HG-4016	हिन्दी गद्य साहित्य

स्नातक (ऑनर्स) पाठ्यक्रम का कार्यक्रम-प्रारूप

छमाही	मुख्य कोर्स {CORE COURSE (14)}	योग्यता-वर्धक अनिवार्य कोर्स {ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC) (2)}	कौशल-वर्धक कोर्स {SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC) (2)}	विषय-विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स {DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE (DSE) (4)}	सामान्य ऐच्छिक कोर्स {GENERIC ELECTIVE (GE) (4)}
I	HIN-HC-1016 हिन्दी साहित्य का इतिहास	ENG-AE-1014/ ASM-AE-1014/ HIN-AE-1014			HIN-HG-1016 हिन्दी साहित्य का इतिहास

	(रीतिकाल तक) HIN-HC-1026 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण			
II	HIN-HC-2016 आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता HIN-HC-2026 आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)	ENV-AE-2014			HIN-HG-2016 मध्यकालीन हिन्दी कविता
III	HIN-HC-3016 छायावादोत्तर हिन्दी कविता HIN-HC-3026 भारतीय काव्यशास्त्र HIN-HC-3036 पाश्चात्य काव्यशास्त्र		HIN-SE-3014 कार्यालयीन अनुवाद		HIN-HG-3016 आधुनिक हिन्दी कविता
IV	HIN-HC-4016 भाषाविज्ञान, हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि HIN-HC-4026 हिन्दी कथा साहित्य HIN-HC-4036 हिन्दी नाटक एवं एकांकी		HIN-SE-4014 अनुवाद विज्ञान		HIN-HG-4016 हिन्दी गद्य साहित्य
V	HIN-HC-5016 हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य			HIN-HE-5016 लोक-साहित्य-चिन्तन	

	विधाएँ HIN-HC-5026 प्रयोजनमूलक हिन्दी			HIN-HE-5026 हिन्दी की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा HIN-HE-5036 पूर्वोत्तर भारत में हिन्दी भाषा और साहित्य	
VI	HIN-HC-6016 हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता HIN-HC-6026 हिन्दी परियोजना कार्य			HIN-HE-6016 छायावादी काव्यधारा HIN-HE-6026 प्रेमचन्द का साहित्य HIN-HE-6036 हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य एवं प्रवासी हिन्दी साहित्य	

मुख्य कोर्स (CORE COURSE)

HIN-HC-1016

हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण : 20

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को आदिकालीन, भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन हिन्दी साहित्य के इतिहास की सम्यक् जानकारी देना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **आदिकाल –** सीमांकन, नामकरण, परिस्थितियाँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य

इकाई 2 **भक्तिकाल –** सीमांकन, नामकरण, परिस्थितियाँ, सन्त काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्ण काव्य

इकाई 3 **रीतिकाल --** सीमांकन, नामकरण, परिस्थितियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त काव्यधारा

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
2. *हिन्दी साहित्य का आदिकाल* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना ।
3. *हिन्दी साहित्य की भूमिका* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
4. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
5. *हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास* – डॉ॰ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
6. *रीतिकाव्य की भूमिका* – डॉ॰ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
7. *रीतिकाल : तथ्य और चिन्तन* – डॉ॰ सरोजिनी पाण्डेय, विकास प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर ।
8. *हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (भाग 1 और 2)* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
9. *रीतिकाव्य* – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

HIN-HC-1026
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 80
आन्तरिक परीक्षण : 20
क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी साहित्य के इतिहास की सम्यक् जानकारी देना, साथ ही उन्हें खड़ीबोली हिन्दी गद्य के उद्भव एवं विकास के साथ परिचित कराना इस प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 **आधुनिक काल –** सीमांकन, नामकरण, परिस्थितियाँ, आधुनिक और आधुनिकता के तात्पर्य, भारतेन्दुयुगीन काव्य-प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

इकाई 2 द्विवेदी-युग, छायावाद, प्रगतिवाद- काव्य-प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

इकाई 3 प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता- काव्य-प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

इकाई 4 हिन्दी गद्य (खड़ीबोली) का विकास– स्वतंत्रता-पूर्व एवं स्वतन्त्रता के बाद की खड़ीबोली

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।

2. *हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (भाग 1 और 2)* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

3. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

4. *हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास* – डॉ॰ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

5. *हिन्दी साहित्य का आधुनिक इतिहास* – डॉ॰ तारकनाथ बाली, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

HIN-HC-2016
आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता
कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 80
आन्तरिक परीक्षण : 20
क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को विद्यापति, कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, बिहारी, घनानन्द जैसी अमर विभूतियों का काव्य-रस प्रदान करना, साथ ही उन्हें मैथिली, सधुक्कड़ी, अवधी और ब्रजी हिन्दी से परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रधान लक्ष्य है ।*

इकाई 1 <u>पाठ</u> : **विद्यापति** (पद 1-18)
<u>पाठ</u> : **कबीर** (साखी 1-15), (पद 1-4), **जायसी** (मानसरोदक खण्ड)

इकाई 2 <u>पाठ</u> : **सूरदास** (विनय, बाल-वर्णन), **तुलसीदास** (पुष्पवाटिका प्रसंग)

इकाई 3 <u>पाठ</u> : **बिहारी** (दोहा 1-15), **घनानन्द** (पद 2, 3, 4, 5, 6) [*रीतिकाव्य-संग्रह* से]

<u>निर्धारित पाठ्य-पुस्तक</u> :

1. *विद्यापति* -- डॉ॰ आनन्द प्रकाश दीक्षित (संपा.), साहित्य प्रकाशन मन्दिर, ग्वालियर ।

2. *मध्ययुगीन काव्य* -- डॉ॰ बृजनारायण सिंह (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

3. *रीतिकाव्य-संग्रह* -- डॉ॰ विजयपाल सिंह (संपा.), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *विद्यापति* - शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

2. *विद्यापति काव्य का सांस्कृतिक अध्ययन* – डॉ॰ अमूल्य चन्द्र बर्मन, असम हिन्दी प्रकाशन, गुवाहाटी ।

3. *कबीर-मीमांसा* – डॉ॰ रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

4. *जायसी : एक नयी दृष्टि* – डॉ॰ रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

5. *कबीर* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद ।

6. *सूर और उनका साहित्य* – डॉ॰ हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़ ।

7. *तुलसी साहित्य : विवेचन और मूल्यांकन* – डॉ॰ देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

8. *गोस्वामी तुलसीदास* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली ।

9. *बिहारी का नया मूल्यांकन* – डॉ॰ बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

10. *बिहारी का काव्य-सौष्ठव* – डॉ॰ कल्पना पटेल, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

11. *घनानन्द का साहित्यिक अवदान* – डॉ॰ हनुमंत रणखांब, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

HIN-HC-2026

आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण : 20

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को खड़ीबोली हिन्दी में रचित भारतेन्दुयुगीन, द्विवेदीयुगीन और छायावादयुगीन कविताओं का रस प्रदान करते हुए उन्हें आधुनिक-बोध तथा आधुनिक काव्य-शिल्प से परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 निर्धारित पाठ : **भारतेन्दु** (निज भाषा उन्नति, आत्म प्रबोधन), **मैथिलीशरण गुप्त** {(यशोधरा)- *आधुनिक काव्य-संग्रह* (संपा॰ डॉ॰ रामवीर सिंह) में सम्मिलित}

इकाई 2 निर्धारित पाठ : **मैथिलीशरण गुप्त** (मातृभूमि), **निराला** {(सरोज-स्मृति)- *आधुनिक काव्यधारा* (संपा॰ डॉ॰ विजयपाल सिंह) में सम्मिलित}, **पन्त** {(परिवर्तन)- *आधुनिक काव्यधारा* (संपा॰ डॉ॰ विजयपाल सिंह) में सम्मिलित}, (नौका विहार)

इकाई 3 निर्धारित पाठ : **महादेवी वर्मा** (बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मन्दिर का दीप), **प्रसाद** (चिन्ता सर्ग-- कामायनी)

निर्धारित पाठ्य-पुस्तक :

1. *हिन्दी काव्य सुधा*, गौहाटी विश्वविद्यालय प्रकाशन ।
2. *आधुनिक काव्यधारा* -- डॉ॰ विजयपाल सिंह (संपा.), अनुराग प्रकाशन, वाराणसी ।
3. *राष्ट्रवाणी* -- वासुदेव सिंह (संपा.), संजय बुक सेंटर, वाराणसी (उत्तर प्रदेश) ।
4. *आधुनिक काव्य-संग्रह* -- रामवीर सिंह (संपा.), केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा ।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *आधुनिक हिन्दी कविता* – डॉ॰ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. *भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ* – डॉ॰ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. *भारतेन्दु: एक नयी दृष्टि* – लहरी राम मीणा, स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. *मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अंतर्कथाओं के स्रोत* -- शशि अग्रवाल, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।
5. *निराला की साहित्य-साधना* – डॉ॰ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
6. *कवि सुमित्रानन्दन पन्त* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली ।
7. *महादेवी* – डॉ॰ परमानन्द श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
8. *कामायनी: एक पुनर्विचार* – गजानन माधव 'मुक्तिबोध', राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
9. *छायावाद की परिक्रमा* -- श्याम किशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
10. *प्रसाद, पन्त और मैथिलीशरण* – रामधारी सिंह 'दिनकर', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
11. *जयशंकर प्रसाद* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

HIN-HC-3016
छायावादोत्तर हिन्दी कविता
कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 80
आन्तरिक परीक्षण : 20
क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को हिन्दी की प्रगतिवादी, राष्ट्रीय-सांस्कृतिक, प्रयोगवादी और नयी कविता की संवेदना एवं शिल्पगत विशेषताओं की सम्यक् जानकारी देना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 पाठ : **केदारनाथ अग्रवाल** (चन्द्र गहना से लौटती बेर, मांझी न बजाओ बंशी मेरा मन डोलता)

पाठ : **नागार्जुन** (ये दंतुरित मुस्कान, अकाल और उसके बाद)

इकाई 2 पाठ : **दिनकर** (हिमालय)

माखनलाल चतुर्वेदी (कैदी और कोकिला, पुष्प की अभिलाषा), **भवानीप्रसाद मिश्र** (गीत फरोश, बूँद टपकी एक नभ से), **अज्ञेय** (कलगी बाजरे की)

इकाई 3 पाठ : **रघुवीर सहाय** (नेता क्षमा करें, हँसो हँसो जल्दी हँसो), **सर्वेश्वरदयाल सक्सेना** (दुःख, भूख), **गिरिजा कुमार माथुर** (आज हैं केसर रंग रंगे वन, छाया मत छूना मन)

निर्धारित पाठ्य-पुस्तक :

1. *छायावादोत्तर काव्य-संग्रह* – रामनारायण शुक्ल और डॉ॰ श्रीनिवास पाण्डेय (संपा.), संजय बुक सेंटर, वाराणसी।
2. *आधुनिक काव्यधारा* – डॉ॰ विजयपाल सिंह (संपा.), अनुराग प्रकाशन, वाराणसी।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *आधुनिक कविता यात्रा* – डॉ॰ रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. *कवि अज्ञेय* – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. *कवि केदारनाथ अग्रवाल* – डॉ॰ धी. के. रामचन्द्रन, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
4. *गिरिजाकुमार माथुर के काव्य का शिल्प-विधान* – डॉ॰ शुभा वाजपेयी, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
5. *समकालीन हिन्दी कविता* – ए. अरविन्दाक्षण, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. *नागार्जुन और उनकी कविता* – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
7. *नागार्जुन के काव्य में यथार्थ* – डॉ॰ शैलेश पाण्डेय, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
8. *सर्वेश्वर : सौन्दर्य और प्रेम* – डॉ॰ रामशंकर त्रिपाठी, विनय प्रकाशन, कानपुर।
9. *रघुवीर सहाय की कविता : चिन्तन एवं शिल्प* – डॉ॰ उषा मिश्र, विनय प्रकाशन, कानपुर।
10. *माखनलाल चतुर्वेदी : काव्य एवं दर्शन* – डॉ॰ दिनेश चन्द्र वर्मा, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
11. *दिनकर : अर्धनारीश्वर कवि* – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
12. *भवानीप्रसाद मिश्र की कविता : रचना-दृष्टि, संवेदना और शिल्प* – डॉ॰ अश्विनी कुमार शुक्ल, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

HIN-HC-3026

भारतीय काव्यशास्त्र

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण : 20

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को काव्य (साहित्य) की शास्त्रीय समीक्षा हेतु भारतीय काव्यशास्त्र के मुख्य सिद्धान्तों की सम्यक् जानकारी देना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **काव्य-लक्षण**, **काव्य-हेतु** एवं **काव्य-प्रयोजन**

रस सिद्धान्त – रस की अवधारणा (परिभाषा, स्वरूप), रस-निष्पत्ति और साधारणीकरण

इकाई 2 **ध्वनि सिद्धान्त** – ध्वनि की अवधारणा (परिभाषा, स्वरूप), ध्वनि के भेद (ध्वनि काव्य, गुणीभूतव्यंग्य काव्य और चित्रकाव्य का सामान्य परिचय)

अलंकार सिद्धान्त – अलंकार की अवधारणा (परिभाषा, स्वरूप), प्रमुख अलंकार (अनुप्रास, उत्प्रेक्षा, उपमा, रूपक, यमक, अतिशयोक्ति, विरोधाभास, श्लेष)

इकाई 3 **रीति सिद्धान्त** – रीति की अवधारणा (परिभाषा, स्वरूप), रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण

वक्रोक्ति सिद्धान्त – वक्रोक्ति की अवधारणा (परिभाषा, स्वरूप), वक्रोक्ति का वर्गीकरण

औचित्य सिद्धान्त – औचित्य की अवधारणा (परिभाषा, स्वरूप)

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *भारतीय काव्यशास्त्र* – बलदेव उपाध्याय, चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी।
2. *भारतीय काव्यशास्त्र* – डॉ॰ भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. *भारतीय काव्य चिन्तन* – शोभाकान्त मिश्र, अनुपम प्रकाशन, पटना।
4. *काव्यालोचन* – ओमप्रकाश शर्मा शास्त्री, आर्य बूक डिपो, दिल्ली।
5. *काव्य के रूप* – बाबू गुलाबराय, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली।
6. *भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन* – डॉ॰ सत्यदेव चौधरी और डॉ॰ शान्तिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
7. *रस सिद्धान्त का पुनर्विवेचन* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

HIN-HC-3036

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण : 20

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को काव्य (साहित्य) की शास्त्रीय समीक्षा हेतु पाश्चात्य काव्यशास्त्र के मुख्य सिद्धांतों की सम्यक् जानकारी देना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **प्लेटो** – काव्य-सम्बन्धी मान्यताएँ – काव्य-सत्य, काव्य-सृजन का दैवी-प्रेरणा सिद्धान्त

अरस्तू – अनुकृति एवं विरेचन सिद्धान्त

लोंगिनुस – काव्य में उदात्त की अवधारणा

इकाई 2 **वर्डसवर्थ** – काव्य-भाषा का सिद्धान्त

कॉलरिज़ – कल्पना और फेंसी

क्रोचे – अभिव्यंजनावाद

इकाई 3 **टी.एस. इलियट** – परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त

आई.ए. रिचर्डस – मूल्य सिद्धान्त, सम्प्रेषण-सिद्धान्त

स्वच्छंदतावाद (स्वरूप एवं महत्व), **यथार्थवाद** (स्वरूप एवं महत्व), **शैलीविज्ञान** (परिभाषा, स्वरूप एवं उपयोगिता)

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र* – डॉ॰ भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

2. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र* – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।

3. *भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन* – डॉ॰ सत्यदेव चौधरी और डॉ॰ शान्तिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।

4. *पाश्चात्य साहित्य-चिन्तन* – डॉ॰ निर्मला जैन और कुसुम बंठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

5. *साहित्यिक निबन्ध* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

6. *पाश्चात्य काव्य-चिन्तन* – करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

HIN-HC-4016

भाषाविज्ञान, हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण : 20

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को भाषाविज्ञान की मूलभूत बातों के साथ हिन्दी भाषा के उद्भव-विकास तथा देवनागरी लिपि के बारे में सम्यक् जानकारी देना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **भाषा :** परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा-परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली

भाषाविज्ञान : परिभाषा, अंग, ज्ञान की अन्य शाखाओं से भाषाविज्ञान का सम्बन्ध

इकाई 2 **ध्वनि विज्ञान :** ध्वनि की परिभाषा, स्वरों का वर्गीकरण, स्थान और प्रयत्न के आधार पर व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि-परिवर्तन के कारण

रूप विज्ञान : शब्द और रूप (पद), पद-विभाग, अक्षर, उपसर्ग

वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य-परिवर्तन के कारण

इकाई 3 **अर्थ विज्ञान :** शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ-परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

हिन्दी भाषा का उद्भव-विकास; अपभ्रंश, अवधी, ब्रज तथा खड़ीबोली का सामान्य परिचय

देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं सुधार के प्रयास

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *भाषाविज्ञान* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
2. *भाषाविज्ञान की भूमिका* – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, अनुपम प्रकाशन, पटना।
3. *सामान्य भाषाविज्ञान* – डॉ॰ बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
4. *अभिनव भाषाविज्ञान* – डॉ॰ उदयनारायण तिवारी।
5. *भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र* – डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. *भाषा का समाजशास्त्र* – डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
7. *आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना* – डॉ॰ वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।
8. *हिन्दी भाषा* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, किताबमहल, इलाहाबाद।

9. *हिन्दी भाषा का इतिहास* – डॉ॰ धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।

10. *हिन्दी भाषा का विकास* – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा और रामदेव त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

11. *हिन्दी भाषा और नागरी लिपि* – लक्ष्मीकान्त वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।

HIN-HC-4026
हिन्दी कथा साहित्य
कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 80
आन्तरिक परीक्षण : 20
क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी) के स्वरूप, उद्भव एवं विकास की जानकारी देते हुए चुनिन्दा उपन्यासों और कहानियों के माध्यम से उभरते हुए जीवन-बोध से उन्हें परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **उपन्यास एवं कहानी :** परिभाषा, तत्व एवं प्रकार, उपन्यास और कहानी में अन्तर, हिन्दी उपन्यास एवं कहानी का उद्भव और विकास

इकाई 2 **त्यागपत्र** (जैनेन्द्र कुमार), **आपका बंटी** (मन्नू भण्डारी)

इकाई 3 **उसने कहा था** (चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'), **पूस की रात** (प्रेमचन्द), **आकाशदीप** (जयशंकर प्रसाद), **हार की जीत** (सुदर्शन), **पाज़ेब** (जैनेन्द्र कुमार), **मिस पाल** (मोहन राकेश), **सिक्का बदल गया** (कृष्णा सोबती), **पिता** (ज्ञानरंजन)

निर्धारित पाठ्य-पुस्तक एवं ऑनलाइन लिंक्स :

1. *त्यागपत्र* – जैनेन्द्र कुमार, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. *आपका बंटी* – मन्नू भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. *कथा वीथी* – डॉ॰ प्रेमनारायण शुक्ल (संपा.), ग्रंथम, कानपुर।
4. *श्रेष्ठ कहानियाँ* – डॉ॰ विजयपाल सिंह (संपा.), जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. *हार की जीत* (सुदर्शन) -- https://www.hindisamay.com/content/422/1/
6. *मिस पाल* (मोहन राकेश) – https://www.hindisamay.com/content/54/1/
7. *सिक्का बदल गया* (कृष्णा सोबती) – https://www.hindisamay.com/content/171/1/

8. *प्रतिनिधि कहानियाँ* – डॉ॰ बच्चन सिंह (संपा.), अनुराग प्रकाशन, वाराणसी ।

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *प्रेमचन्द* – डॉ॰ रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

2. *प्रेमचन्द : साहित्य-विवेचन* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

3. *हिन्दी उपन्यास का इतिहास* – डॉ॰ गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

4. *हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा* -- डॉ॰ रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

5. *आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सृजन और आलोचना* – डॉ॰ चन्द्रकान्त बांदिबडेकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

6. *हिन्दी कहानी की विकास-प्रक्रिया* – आनन्द प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

7. *नयी कहानी की भूमिका* – कमलेश्वर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

8. *हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान* – डॉ॰ रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

9. *हिन्दी कहानी के आन्दोलन : उपलब्धियाँ और सीमाएं* – रजनीश कुमार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

10. *जैनेन्द्र के उपन्यास* – डॉ॰ परमानन्द श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

11. *मनोवैज्ञानिक उपन्यासकार जैनेन्द्र* – डॉ॰ सुशील. जी. धर्माणी, विनय प्रकाशन, कानपुर ।

12. *मन्नू भण्डारी और आपका बंटी* – मालविका, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

13. *कहानीकार प्रेमचन्द : रचना-दृष्टि और रचना-विधान* – शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

14. *कहानीकार मोहन राकेश* – ईश्वर प्रसाद बिदादा, विनय प्रकाशन, कानपुर ।

HIN-HC-4036
हिन्दी नाटक एवं एकांकी
कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 80
आन्तरिक परीक्षण : 20
क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को हिन्दी नाटक एवं एकांकी साहित्य के स्वरूप, उद्भव एवं विकास की जानकारी देते हुए चुनिन्दा नाटकों एवं एकांकियों के माध्यम से उभरते हुए आधुनिक जीवन-बोध से उन्हें परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 **नाटक एवं एकांकी :** परिभाषा, तत्व एवं प्रकार, नाटक एवं एकांकी में अन्तर, हिन्दी नाटक एवं एकांकी का उद्भव और विकास

इकाई 2 **नाटक :**

भारत दुर्दशा (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र), **आषाढ़ का एक दिन** (मोहन राकेश)

इकाई 3 **एकांकी :**

विषकन्या (गोविन्द वल्लभ पन्त), **भोर का तारा** (जगदीशचन्द्र माथुर), **यह स्वतन्त्रता का युग** (उदयशंकर भट्ट)

<u>निर्धारित पाठ्य-पुस्तक</u> :

1. *भारत दुर्दशा* – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी ।
2. *आषाढ़ का एक दिन* – मोहन राकेश, राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली ।
3. *छोटे नाटक* – डॉ॰ शुकदेव सिंह (संपा.), अनुराग प्रकाशन, वाराणसी ।
4. *नए एकांकी* – अज्ञेय (संपा.), राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली ।
5. *श्रेष्ठ एकांकी* – डॉ॰ विजयपाल सिंह (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *मोहन राकेश और उनके नाटक* – डॉ॰ गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
2. *हिन्दी नाटक* – डॉ॰ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. *हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास* – डॉ॰ दशरथ ओझा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
4. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* – डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
5. *कृति मूल्यांकन : आषाढ़ का एक दिन* – आशीष त्रिपाठी (संपा.), राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली ।
6. *भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का रचना-संसार : एक पुनर्मूल्यांकन* – डॉ॰ वीरेन्द्र सिंह यादव, साहित्य रत्नाकर, कानपुर ।
7. *नाटककार भारतेन्दु की रंग-परिकल्पना* – सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
8. *समकालीन हिन्दी नाटक* – नरनारायण राय, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली ।
9. *हिन्दी एकांकी* – सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
10. *नाटककार : जगदीशचन्द्र माथुर* – गोविन्द चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

HIN-HC-5016

हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण : 20

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को हिन्दी निबन्ध, संस्मरण और रेखाचित्र के स्वरूप तथा हिन्दी निबन्ध साहित्य के इतिहास की जानकारी देते हुए चुनी हुई रचनाओं के माध्यम से इन प्रभावी गद्य-विधाओं की शिल्पगत विशेषताओं के साथ उन्हें परिचित कराना इस प्रश्न-पत्र का मुख्य लक्ष्य है।*

इकाई 1 **निबन्ध, संस्मरण, रेखाचित्र** : परिभाषा, स्वरूप एवं तत्व, हिन्दी निबन्ध का उद्भव और विकास

इकाई 2 **मजदूरी और प्रेम** (सरदार पूर्ण सिंह), **करुणा** (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल), **देवदारु** (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी), **मेरे राम का मुकुट भींग रहा है** (विद्यानिवास मिश्र), **महाकवि जयशंकर प्रसाद** (शिवपूजन सहाय)

इकाई 3 **तुम्हारी स्मृति** (माखनलाल चतुर्वेदी), **भक्तिन** (महादेवी वर्मा), **सुभान खाँ** (रामवृक्ष बेनीपुरी), **पीपल** (अज्ञेय)

निर्धारित पाठ्य-पुस्तक एवं ऑनलाइन लिंक्स :

1. *चिन्तामणि (पहला भाग)* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, इंडियन प्रेस (पब्लिकेशन्स), प्राइवेट लिमिटेड, प्रयाग।
2. *विद्यानिवास मिश्र के ललित निबन्ध* – भोलाभाई पटेल एवं रामकुमार गुप्त (संपा.), जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. *श्रेष्ठ निबन्ध* – डॉ॰ आलोक गुप्त (संपा.), शिक्षा भारती, दिल्ली।
4. *हिन्दी निबन्ध* – डॉ॰ शिव प्रसाद सिंह (संपा.), हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
5. *महाकवि जयशंकर प्रसाद* (शिवपूजन सहाय) -- http://gadyakosh.org/gk/%E0%
6. *समय के पाँव* -- माखनलाल चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली।
7. *रेखाचित्र* -- महादेवी वर्मा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।
8. *संस्मरण और रेखाचित्र* – उर्मिला मोदी (संपा.), अनुराग प्रकाशन, वाराणसी।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *हिन्दी निबन्धकार* – प्रो॰ जयनाथ 'नलिन', आत्माराम एण्ड सन्ज, दिल्ली।
2. *हिन्दी के प्रतिनिधि निबन्धकार* – राजकिशोर सिंह, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।

3. *गद्य की नयी विधाओं का विकास* – मज़दा असाद, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली।

4. *ललित निबन्ध* – केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

5. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* – डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।

6. *भारतीय काव्यशास्त्र* – डॉ॰ भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

7. *विद्यानिवास मिश्र के निबंधों में सांस्कृतिक चेतना* – डॉ॰ अभिलाषा ठाकुर, विनय प्रकाशन, कानपुर।

8. *हिन्दी के श्रेष्ठ रेखाचित्र* – डॉ॰ चौथीराम यादव (संपा.), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

HIN-HC-5026
प्रयोजनमूलक हिन्दी
कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 80
आन्तरिक परीक्षण : 20
क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के विविध रूपों और हिन्दी-संबंधी विविध संवैधानिक प्रावधानों की सम्यक् जानकारी देना, साथ ही कार्यालय, विज्ञान, व्यवसाय, संचार-माध्यम आदि के संदर्भों में प्रयुक्त होने वाली हिन्दी के प्रयोजनमूलक स्वरूपों के साथ उन्हें भली-भाँति परिचित कराना (ताकि वे इस क्षेत्र में आजीविका की तलाश कर सकें) इस प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, राजभाषा, अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में हिन्दी, संविधान में हिन्दी {अनुच्छेद 343 से अनुच्छेद 351 तक, राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा अधिनियम (संशोधित) 1967, राजभाषा नियम 1976}

इकाई 2 **प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार** – कार्यालयीन हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यावसायिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण

इकाई 3 **भाषा-व्यवहार** – सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा लेखन, आलेखन, व्यावसायिक पत्र-लेखन, पारिभाषिक शब्दावली, अनुवाद (हिन्दी से अंग्रेज़ी में कुछ अंश)

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *प्रयोजनमूलक हिन्दी* – डॉ॰ विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

2. *प्रयोजनिक हिन्दी* – डॉ॰ बालेन्दु शेखर तिवारी, अनुपम प्रकाशन, पटना ।

3. *राजभाषा हिन्दी* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।

4. *राजभाषा हिन्दी : विकास के विविध आयाम* – डॉ॰ मलिक मोहम्मद, प्रवीण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

5. *प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण* – प्रो॰ विराज, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली ।

6. *व्यावहारिक आलेखन और टिप्पण* – डॉ॰ अमूल्य चन्द्र बर्मन, असम हिन्दी प्रकाशन, गुवाहाटी ।

7. *कार्यालय सहायिका* – हरिबाबू कंसल, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, दिल्ली ।

8. *अनुवाद विज्ञान* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

9. *अनुवाद-सुधा (भाग : 1)* -- डॉ॰ अच्युत शर्मा (संपा.), शब्द भारती, गुवाहाटी ।

10. *अनुवाद-सुधा (भाग : 2)* – डॉ॰ अच्युत शर्मा (संपा.), शब्द भारती, गुवाहाटी ।

HIN-HC-6016

हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण : 20

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को साहित्यिक पत्रकारिता के स्वरूप तथा भारतेन्दु-युग से अब तक अनवरत् रूप से प्रवाहित हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता के साथ भली-भाँति परिचित कराना (ताकि वे इस क्षेत्र में आजीविका की तलाश कर सकें) प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 **साहित्यिक पत्रकारिता :** अर्थ, अवधारणा और महत्व
भारतेन्दुयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ

इकाई 2 **द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता :** परिचय और प्रवृत्तियाँ
प्रेमचन्द और छायावादयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ

इकाई 3 **स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता :** परिचय और प्रवृत्तियाँ
समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ
महत्वपूर्ण पत्र-पत्रिकाएँ : सरस्वती, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप तथा जनसत्ता का सामान्य परिचय

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *सिर्फ पत्रकारिता* – अजय कुमार सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

2. *हिन्दी पत्रकारिता* – कृष्ण बिहारी मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

3. *पत्रकारिता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ* – पृथ्वीनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

4. *पत्रकारिता के नए आयाम* – एस.के. दुबे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

5. *हिन्दी पत्रकारिता : संवाद और विमर्श* – कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

6. *पत्रकारिता में अनुवाद* – जितेन्द्र गुप्ता, प्रियदर्शन एवं अरुण प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

7. *हिन्दी पत्रकारिता का प्रतिनिधि संकलन* – तरुशिखा सुरजन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

HIN-HC-6026

हिन्दी परियोजना कार्य (Hindi Project Work)

कुल अंक : 100

लघु शोध-प्रबन्ध : 80

मौखिकी : 20

क्रेडिट : 6

लक्ष्य : *विद्यार्थियों की शोध-प्रवृत्ति को जगाना, उनकी आलोचनात्मक समीक्षा की योग्यता को प्रोत्साहित करना, साथ ही तकनीकी (डी.टी.पी., पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के रूप में) उपयोग हेतु उन्हें प्रेरित करना इस परियोजना-कार्य का प्रमुख लक्ष्य है ।*

*(**द्रष्टव्य** : प्राध्यापकों द्वारा निर्धारित किए गए विषयों पर विद्यार्थी अपने परियोजना-कार्य को स्वयं कम्प्यूटर में टंकित करें । मौखिकी में विद्यार्थी पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन द्वारा अपनी प्रस्तुति देंगे । इस प्रस्तुति में विभागीय अध्यक्ष, परियोजना-निर्देशक, विभागीय प्राध्यापकगण एवं महाविद्यालय के अध्यक्ष या अध्यक्ष के प्रतिनिधि की उपस्थिति अपेक्षित है ।)*

स्नातक (ऑनर्स) पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थी को किसी एक हिन्दी साहित्यिक विभूति के जीवन एवं साहित्यिक उपलब्धियों पर साहित्य-सर्वेक्षण के तहत एक लघु शैक्षिक परियोजना-कार्य एक शोध-निर्देशक के अधीन रहकर संपादित करना पड़ेगा । परियोजना-कार्य का विषय (निम्नलिखित सूची में से) और शोध-निर्देशक विद्यार्थी को उक्त छमाही के आरम्भ में ही कॉलेज के संबद्ध विभाग द्वारा निर्धारित कर दे दिए जाएंगे । विद्यार्थी को एम.फिल. के लघु शोध-प्रबन्ध (स्पाइरल बाइंडिंग रूप में) की तरह ही तैयार किए गए लगभग 50 पृष्ठों के परियोजना-कार्य को उक्त छमाही की अन्तिम परीक्षा के आरम्भ के एक सप्ताह पूर्व ही जमा करना होगा। विभाग के अध्यक्ष, परियोजना-कार्य के निर्देशक और महाविद्यालय के अध्यक्ष अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि से बनी मूल्यांकन-समिति में से अध्यक्ष या उनके प्रतिनिधि 40 अंक (लेखन : 30 + मौखिकी : 10) तथा विभाग के अध्यक्ष 30 अंक (लेखन : 25 + मौखिकी : 5) एवं परियोजना के निर्देशक 30 अंक (लेखन :

25+ मौखिकी : 5) के अन्तर्गत मूल्यांकन करेंगे । परियोजना-कार्य के मूल्यांकन के दौरान अन्य बातों के साथ ही विद्यार्थी की आलोचनात्मक समीक्षा की योग्यता को ध्यान में रखा जाएगा ।

<u>हिन्दी साहित्यिक विभूति</u>

चंदबरदाई, विद्यापति, कबीरदास, मलिक मुहम्मद जायसी, सूरदास, मीराँबाई, गोस्वामी तुलसीदास, रहीम, रसखान, केशवदास, बिहारीलाल, देव, भूषण, घनानन्द, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, हरिऔध, मैथिलीशरण गुप्त, माखनलाल चतुर्वेदी, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा, भगवतीचरण वर्मा, सुभद्रा कुमारी चौहान, चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी', हरिवंशराय 'बच्चन', मुंशी प्रेमचन्द, रामधारी सिंह 'दिनकर', आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, अज्ञेय, जैनेन्द्र कुमार, यशपाल, लक्ष्मीनारायण मिश्र, धर्मवीर भारती, नागार्जुन, मुक्तिबोध, फणीश्वरनाथ रेणु, मोहन राकेश, सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' और *उषा प्रियम्वदा ।*

योग्यता-वर्धक अनिवार्य कोर्स

{ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)}

HIN-AE-1014

हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण : 20

क्रेडिट : 4

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को हिन्दी व्याकरण और हिन्दी के माध्यम से सम्यक् सम्प्रेषण की जानकारी देते हुए हिन्दी भाषा के उपयोग के सन्दर्भ में उनकी योग्यता में वृद्धि लाना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 **हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था :** स्वर और व्यंजन

हिन्दी व्याकरण एवं रचना : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और अव्यय का परिचय

इकाई 2 उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द-शुद्धि, वाक्य-शुद्धि

इकाई 3 सम्प्रेषण की अवधारणा, महत्व, प्रकार, मुहावरा, लोकोक्ति, पल्लवन, संक्षेपण

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *हिन्दी व्याकरण* – पं. कामताप्रसाद गुरु, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली ।
2. *हिन्दी व्याकरण मीमांसा* – काशीराम शर्मा, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली ।
3. *व्याकरण प्रदीप* – रामदेव एम.ए., राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली ।
4. *नवशती हिन्दी व्याकरण* – बद्रीनाथ कपूर, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली ।
5. *मानक हिन्दी का व्यवहारपरक व्याकरण* – रमेशचन्द्र महरोत्रा, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली ।
6. *हिन्दी भाषा का वृहत् ऐतिहासिक व्याकरण* – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन समूह, नयी दिल्ली ।
7. *मानक हिन्दी का पारम्परिक व्याकरण* – शुकदेव शास्त्री, साहित्यागार, जयपुर ।
8. *आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना* – डॉ॰ वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना ।
9. *हिन्दी व्याकरण-विमर्श* – तेजपाल चौधरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

कौशल-वर्धक कोर्स

{SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)}

*(**<u>नोट</u>** : इस कोर्स के लिए महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के शैक्षिक-भ्रमण की व्यवस्था की जा सकती है ।)*

<u>द्रष्टव्य</u> : *इस कोर्स के अन्तर्गत प्रत्येक प्रश्न-पत्र में व्यावहारिक परीक्षण हेतु एक निर्देशक के तत्वावधान में विभाग की ओर से दिए गए एक विषय पर (निर्धारित पाठ्यक्रम में से) लगभग दो हज़ार शब्दों में एक प्रोजेक्ट-रिपोर्ट (टंकित या हस्तलिखित) जमा करना होगा । विद्यार्थी को विभागीय अध्यक्ष, प्रोजेक्ट-निर्देशक, विभाग के प्राध्यापकगण एवं महाविद्यालय के अध्यक्ष या उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि के समक्ष अपने कार्य की पुष्टि हेतु मौखिकी के रूप में प्रस्तुति देनी होगी । यह प्रस्तुति पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के रूप में हो सकती है । विभाग के अध्यक्ष, प्रोजेक्ट के निर्देशक और महाविद्यालय के अध्यक्ष अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि से बनी मूल्यांकन-समिति में से महाविद्यालय के अध्यक्ष या उनके प्रतिनिधि **20** अंक (लेखन : 15 + मौखिकी : 5) तथा विभाग के अध्यक्ष **15** अंक (लेखन : 10 + मौखिकी : 5) एवं प्रोजेक्ट के निर्देशक **15** अंक (लेखन : 10 + मौखिकी : 5) के अन्तर्गत मूल्यांकन करेंगे ।*

HIN-SE-3014

कार्यालयीन अनुवाद

कुल अंक : 100

सैद्धांतिक परीक्षण : 50

व्यावहारिक परीक्षण : 50

क्रेडिट : 4

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के विविध रूपों, हिन्दी-सम्बन्धी विविध संवैधानिक प्रावधानों, हिन्दी के माध्यम से किए जाने वाले विभिन्न पत्राचारों, प्रशासनिक पत्रावली की निष्पादन-प्रक्रियाओं और कार्यालयीन प्रयोजनों में विभिन्न यांत्रिक उपकरणों के अनुप्रयोग-सम्बन्धी सम्यक् जानकारी देकर उनके हिन्दी प्रयोग-सम्बन्धी कौशल में वृद्धि लाना इस प्रश्न-पत्र का प्रधान लक्ष्य है।*

इकाई 1 **हिन्दी भाषा के विविध रूप** -- राष्ट्रभाषा, राजभाषा, जनभाषा
शिक्षण-माध्यम भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा, यांत्रिक भाषा
राजभाषा का स्वरूप, भारतीय संविधान में राजभाषा सम्बंधी परिनियमावली का सामान्य परिचय, राजभाषा के रूप में हिन्दी के समक्ष व्यावहारिक कठिनाइयाँ एवं सम्भावित समाधान

इकाई 2 टिप्पण, प्रारूप/आलेखन, पल्लवन, संक्षेपण
विभिन्न प्रकार के पत्राचार, प्रशासनिक पत्रावली की निष्पादन प्रक्रियाएँ
कार्यालयीन पत्रों का अनुवाद (हिन्दी से अंग्रेजी, अंग्रेजी से हिन्दी)

इकाई 3 पारिभाषिक शब्दावली
कार्यालयीन प्रयोजनों में विभिन्न यांत्रिक उपकरणों का अनुप्रयोग : कम्प्यूटर, लेपटॉप, टेबलेट, टेलीप्रिंटर, टेलेक्स, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *प्रयोजनमूलक हिन्दी* – डॉ॰ विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. *प्रयोजनिक हिन्दी* – डॉ॰ बालेंदु शेखर तिवारी, अनुपम प्रकाशन, पटना।
3. *राजभाषा हिन्दी* -- डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
4. *राजभाषा हिन्दी: विकास के विविध आयाम* – डॉ॰ मलिक मोहम्मद, प्रवीण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. *प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण* -- प्रो॰ विराज, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली।
6. *व्यावहारिक आलेखन और टिप्पण* – डॉ॰ अमूल्य बर्मन, असम हिन्दी प्रकाशन, गुवाहाटी।
7. *कार्यालय सहायिका* -- हरिबाबू कंसल, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, दिल्ली।
8. *अनुवाद विज्ञान* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली।
9. *अनुवाद-सुधा (भाग-1)* -- डॉ॰ अच्युत शर्मा (संपा.), शब्द भारती, गुवाहाटी।
10. *अनुवाद-सुधा (भाग-2)* -- डॉ॰ अच्युत शर्मा (संपा.), शब्द भारती, गुवाहाटी।

HIN-SE-4014
अनुवाद विज्ञान
कुल अंक : 100
सैद्धांतिक परीक्षण : 50
व्यावहारिक परीक्षण : 50
क्रेडिट : 4

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को अनुवाद-सम्बन्धी सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान देकर, विशेषतः कार्यालयीन अनुवाद के सन्दर्भ में राजभाषा-नीति के अनुपालन में धारा 3(3) के अन्तर्गत निर्धारित दस्तावेज़ों के सटीक अनुवाद की सम्यक् जानकारी प्रदान करके कार्यालय, तकनीकी, सर्जनात्मक साहित्य आदि विविध क्षेत्रों में उनके हिन्दी-अनुवाद-सम्बन्धी कौशल में वृद्धि लाना इस प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकृति, अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्व, बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक-सांस्कृतिक आदान-प्रदान में अनुवाद-कार्य की भूमिका, **अनुवाद के प्रकार** – शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद

इकाई 2 **अनुवाद प्रक्रिया के तीन चरण** – विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन

अनुवाद की भूमिका – पाठक की भूमिका (अर्थ-ग्रहण की), द्विभाषिक की भूमिका (अर्थांतरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थ-सम्प्रेषण की प्रक्रिया)

सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएँ, सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर, गद्यानुवाद और काव्यानुवाद में अन्तर

इकाई 3 **कार्यालयीन अनुवाद :** राजभाषा-नीति के अनुपालन में धारा 3(3) के अंतर्गत निर्धारित दस्तावेजों का अनुवाद (शासकीय पत्र/ अर्धशासकीय पत्र/ परिपत्र/ ज्ञापन/ कार्यालयीन आदेश/ अधिसूचना/ संकल्प-प्रस्ताव/ निविदा-संविदा/ विज्ञापन

व्यावहारिक अनुवाद (हिन्दी से अंग्रेजी, अंग्रेजी से हिन्दी)

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *अनुवाद विज्ञान* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. *अनुवाद-सुधा (भाग-1)* -- डॉ॰ अच्युत शर्मा (संपा.), शब्द भारती, गुवाहाटी।
3. *अनुवाद-सुधा (भाग-2)* -- डॉ॰ अच्युत शर्मा (संपा.), शब्द भारती, गुवाहाटी।
4. *प्रयोजनमूलक हिन्दी* – डॉ॰ विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

5. *प्रयोजनिक हिन्दी* – डॉ॰ बालेंदु शेखर तिवारी, अनुपम प्रकाशन, पटना ।

6. *प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण* -- प्रो॰ विराज, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली ।

7. *व्यावहारिक आलेखन और टिप्पण* – डॉ॰ अमूल्य बर्मन, असम हिन्दी प्रकाशन, गुवाहाटी ।

8. *कार्यालय सहायिका* -- हरिबाबू कंसल, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, दिल्ली ।

विषय-विशिष्ट ऐच्छिक कोर्स

{DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE (DSE)}

*(**द्रष्टव्य** : विद्यार्थियों को HIN-HE-5016, HIN-HE-5026 और HIN-HE-5036 में से **किन्हीं दो** प्रश्न-पत्रों तथा HIN-HE-6016, HIN-HE-6026 और HIN-HE-6036 में से **किन्हीं दो** प्रश्न-पत्रों के चयन करने होंगे ।)*

HIN-HE-5016

लोक-साहित्य-चिन्तन

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण : 20

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को लोक, लोक-वार्ता, लोक-संस्कृति और लोक-साहित्य (लोक-गीत, लोक-नाट्य, लोक-कथा आदि) की सम्यक् जानकारी देते हुए उन्हें लोक-जीवन की सरसता की ओर उन्मुख करना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्षय है ।*

इकाई 1 लोक और लोक-वार्ता, लोक-संस्कृति की अवधारणा, लोक-वार्ता और लोक-संस्कृति, लोक-संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतर्संबंध, लोक-साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

इकाई 2 भारत में लोक-साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक-साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण; **लोक-गीत :** संस्कार-गीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत

इकाई 3 **लोक-नाट्य :** रामलीला, रासलीला, कीर्तनिया, यक्षगान, नौटंकी ; हिन्दी लोक-नाट्य की परम्परा एवं प्रविधि; हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोक-नाट्यों का प्रभाव; लोक-कथा : व्रतकथा, परिकथा, नागकथा, कथा-रूढ़ियाँ और अंधविश्वास

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *लोक साहित्य विज्ञान* – डॉ॰ सत्येन्द्र, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा।

2. *लोक-साहित्य की भूमिका* – डॉ॰ कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद।

3. *गंगा घाटी के गीत* – डॉ॰ हीरालाल तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

4. *लोक-साहित्य के विविध आयाम* – वीणा दाधे, अमन प्रकाशन, कानपुर।

5. *लोक-साहित्य : अर्थ और व्याप्ति* – डॉ॰ सुरेश गौतम, साहित्य रत्नाकर, कानपुर।

6. *लोकगीतों के सन्दर्भ और आयाम* – डॉ॰ शान्ति जैन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

HIN-HE-5026

हिन्दी की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण : 20

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को हिन्दी की समृद्ध राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा के इतिहास तथा इस धारा के चुनिन्दा कवियों की सरस रचनाओं से परिचित कराकर उनमें राष्ट्रीयता की भावना एवं सांस्कृतिक चेतना को जगाना इस प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **(क)** हिन्दी की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा का उद्भव एवं विकास

(ख) मैथिलीशरण गुप्त – मनुष्यता, हमारी सभ्यता, भारत की श्रेष्ठता

इकाई 2 **माखनलाल चतुर्वेदी** – आ गए ऋतुराज, प्राण का शृंगार, सिपाही, सिपाहिनी

इकाई 3 **रामधारी सिंह 'दिनकर'**– जनतंत्र का जन्म, भारत का यह रेशमी नगर, रक्षा करो देवता, अवकाशवाली सभ्यता

इकाई 4 **सुभद्रा कुमारी चौहान** – झाँसी की रानी, व्यथित हृदय, स्वदेश के प्रति, वीरों का कैसा हो वसन्त ?

निर्धारित पाठ्य-पुस्तक :

राष्ट्रवाणी – डॉ॰ वासुदेव सिंह (संपा.), संजय बूक सेन्टर, वाराणसी।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *राष्ट्रीय काव्यधारा* – कन्हैया सिंह, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

2. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।

3. *हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास* – डॉ॰ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

4. *मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अंतर्कथाओं के स्रोत* -- शशि अग्रवाल, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

5. *माखनलाल चतुर्वेदी : काव्य एवं दर्शन* – डॉ॰ दिनेश चन्द्र वर्मा, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

6. *दिनकर : अर्धनारीश्वर कवि* – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

7. *राष्ट्रभक्त कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान* – एम. राजस्वी, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली।

HIN-HE-5036

पूर्वोत्तर भारत में हिन्दी भाषा और साहित्य

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण : 20

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को पूर्वोत्तर भारत के आठों प्रान्तों में हिन्दी को लेकर चल रही गतिविधियों की जानकारी देते हुए उन्हें पूर्वोत्तर के रचनाकारों द्वारा रचित अथवा पूर्वोत्तर के बारे में रचित चुनी हुई हिन्दी-रचनाओं से परिचित कराना इस प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **पूर्वोत्तर भारत में हिन्दी की स्थिति**

असम में हिन्दी के प्रचार-प्रसार का विस्तृत इतिहास; मेघालय, मिज़ोरम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, त्रिपुरा एवं सिक्किम में हिन्दी के प्रचार-प्रसार की सामान्य जानकारी

इकाई 2 असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी; मणिपुर हिन्दी प्रचार सभा, इम्फ़ाल; असम राष्ट्रभाषा सेवक संघ, गुवाहाटी; असम राज्य राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, जोरहाट; केन्द्रीय हिन्दी संस्थान की गुवाहाटी, शिलांग और दीमापुर शाखाएँ; मेघालय राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, शिलांग; केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, गुवाहाटी शाखा की गतिविधियाँ।

पूर्वोत्तर से प्रकाशित प्रमुख हिन्दी पत्र-पत्रिकाएँ (दैनिक पूर्वोदय, सेंटीनल, पूर्वाञ्चल प्रहरी, प्रातः ख़बर, समन्वय पूर्वोत्तर, राष्ट्रसेवक, मेघालय दर्पण आदि)

इकाई 3 **राह और रोड़े** --छगनलाल जैन (उपन्यास)

हीली बोन् की बत्तखें – अज्ञेय (कहानी)

भिण्डी के फूल – डॉ॰ हीरालाल तिवारी (गद्यकाव्य)

<u>पाठ्य-पुस्तक एवं सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *राष्ट्रभाषा प्रचार - एक झांकी* – चित्र महन्त, असम हिन्दी प्रकाशन, गुवाहाटी।

2. *राष्ट्रभाषा का इतिहास* – चित्र महन्त, असम हिन्दी प्रकाशन, गुवाहाटी।

3. *राह और रोड़े* -- छगनलाल जैन, असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी।

4. *जय-दोल* – अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नयी दिल्ली।

5. *हिन्दी गद्य-संकलन* – डॉ॰ परेशचन्द्र देव शर्मा एवं डॉ॰ हीरालाल तिवारी (संपा.), असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी।

6. *हीर-ज्योति* – डॉ॰ अमूल्य चन्द्र बर्मन एवं डॉ॰ अच्युत शर्मा (संपा.), हिन्दी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय।

HIN-HE-6016
छायावादी काव्यधारा
कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 80
आन्तरिक परीक्षण : 20
क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को हिन्दी की छायावादी काव्यधारा के इतिहास और चुनी हुई छायावादी कविताओं से परिचित कराकर उन्हें इस अनोखी काव्यधारा की संवेदना एवं शिल्पगत विशेषताओं के दर्शन कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **(क)** छायावादी काव्यधारा का उद्भव एवं विकास

(ख) जयशंकर प्रसाद – हे लाज भरे सौन्दर्य बता दो, ले चल वहाँ भुलावा देकर, मुझको न मिला रे कभी प्यार, अरुण यह मधुमय देश हमारा

इकाई 2 **सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'**– जूही की कली, सन्ध्या सुन्दरी, बाँधो न नाव, स्नेह निर्झर

इकाई 3 **सुमित्रानन्दन पन्त** – मौन निमंत्रण, द्रुत झरो, वाणी, भारतमाता

इकाई 4 **महादेवी वर्मा** – मन्दिर का दीप, धीरे-धीरे उतर क्षितिज से आ वसन्त रजनी, मधुर वह था जीवन, चुभते ही तेरा अरुण वाण

निर्धारित पाठ्य-पुस्तक :

1. *आधुनिक काव्य संग्रह* – रामवीर सिंह (संपा.), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *जयशंकर प्रसाद* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
2. *महाप्राण निराला* – गंगाप्रसाद पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. *कवि सुमित्रानन्दन पन्त* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली ।
4. *महादेवी* – इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
5. *छायावाद की परिक्रमा* – श्याम किशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
6. *प्रसाद, पन्त और मैथिलीशरण* – रामधारी सिंह 'दिनकर', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
7. *आधुनिक हिन्दी कविता* – डॉ॰ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
8. *महादेवी का नया मूल्यांकन* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
9. *निराला : आत्महंता आस्था* – दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
10. *प्रसाद-निराला-अज्ञेय* – डॉ॰ रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

HIN-HE-6026
प्रेमचन्द का साहित्य
कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 80
आन्तरिक परीक्षण : 20
क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को हिन्दी के महान कथाकार मुंशी प्रेमचन्द द्वारा विरचित साहित्य की सामान्य जानकारी देते हुए चुनी हुई रचनाओं (उपन्यास, नाटक, निबन्ध, कहानियाँ) के विशेष अध्ययन के जरिए उनलोगों को इस लोकप्रिय साहित्यकार से भली-भाँति परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है ।*

इकाई 1 **(क)** प्रेमचन्द के साहित्य का सामान्य परिचय
(ख) निबन्ध – साहित्य का उद्देश्य

इकाई 2 **नाटक** – कर्बला

इकाई 3 **उपन्यास** – सेवासदन

इकाई 4 **कहानियाँ** – पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, पंच परमेश्वर, ईदगाह, दो बैलों की कथा

निर्धारित पाठ्य-पुस्तक एवं ऑनलाइन लिंक्स :

1. *सेवासदन* – सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।
2. *कर्बला* – सरस्वती प्रेस https://epustakalay.com/book/27025-karbala-by-prem-chand/
3. *साहित्य का उद्देश्य* -- http://desharyana.in/archives/5249
4. *हिन्दी गद्य-संकलन* – डॉ॰ परेशचन्द्र देव शर्मा एवं डॉ॰ हीरालाल तिवारी (संपा.), असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी।
5. *शतरंज के खिलाड़ी* – http://premchand.co.in/story/shatranj-ke-khiladi
6. *सप्तसरोज – मुंशी प्रेमचन्द, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।*
7. *कृति कथाएँ* – डॉ॰ शुकदेव सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
8. *कहानी विविधा* – डॉ॰ देवी शंकर अवस्थी (संपा.), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *प्रेमचन्द और उनका युग* – डॉ॰ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. *हमारे कवि और लेखक* – डॉ॰ राजेश्वरप्रसाद चतुर्वेदी और राकेश, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।
3. *कलम का मजदूर : प्रेमचन्द* – मदन गोयल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. *कहानीकार प्रेमचन्द : रचना-दृष्टि और रचना-विधान* – शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. *प्रेमचन्द : एक साहित्यिक विवेचन* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. *प्रेमचन्द के आयाम* – ए. अरविंदाक्षण, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

HIN-HE-6036

हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य एवं प्रवासी हिन्दी साहित्य

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण : 20

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को विश्व के अलग-अलग देशों में हिन्दी की परिव्याप्ति की जानकारी दिलाकर प्रवासी हिन्दी साहित्यकारों द्वारा रचित रचनाओं का रसास्वादन कराना और उनमें निहित जीवन-संघर्ष से परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य**

विश्व फलक पर हिन्दी, हिन्दी का वैश्वीकरण एवं विश्व हिन्दी सम्मेलन, विदेशों में हिन्दी की लोकप्रियता, भूमंडलीकरण के युग में हिन्दी

इकाई 2 **लाल पसीना** (अभिमन्यु अनत)

इकाई 3 **कोख का किराया** (तेजेन्द्र शर्मा), **साँकल** (जाकिया जुबेरी), **कौन-सी ज़मीन अपनी** (सुधा ओम ढींगरा), **यूं ही चलते हुए** (पूर्णिमा बर्मन)

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ एवं ऑनलाइन लिंक्स</u> :

1. *भारत और विश्व पटल पर हिन्दी* – डॉ॰ सुशीला गुप्ता (संपा.), अखिल भारतीय हिन्दी संस्था संघ, नयी दिल्ली।
2. *लाल पसीना* – अभिमन्यु अनत, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. *कोख का किराया* -- तेजेन्द्र शर्मा
   https://www.hindisamay.com/content/1051/1/तेजेंद्र-शर्मा-कहानियाँ-कोख-का-किराया.cspx
4. *साँकल* -- जाकिया जुबेरी
   https://www.matrubharti.com/novels/16546/saankal-by-zakia-zubairi
5. *कौन-सी ज़मीन अपनी* -- सुधा ओम ढींगरा, भावना प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. *यूं ही चलते हुए* -- पूर्णिमा बर्मन
   http://www.abhivyakti-hindi.org/lekhak/purnimavarman.htm
7. *विश्वपटल पर हिन्दी* – सूर्यप्रसाद दीक्षित, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. *अभिमन्यु अनत का उपन्यास साहित्य* – डॉ॰ श्रीचित्रा. वी. एस., विद्या प्रकाशन, कानपुर।
9. *तेजेन्द्र शर्मा का रचना-संसार* – प्रो॰ प्रदीप श्रीधर, विनय प्रकाशन, कानपुर।
10. *साँकल : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन* – पूजा प्रजापति, साहित्य रत्नाकर, कानपुर।
11. *हिन्दी का प्रवासी साहित्य* – डॉ॰ कालीचरण स्नेही, विद्या प्रकाशन, कानपुर।
12. *प्रवासी लेखन : नयी ज़मीन नया आसमान* – अनिल जोशी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

सामान्य ऐच्छिक कोर्स

{GENERIC ELECTIVE (GE)}

HIN-HG-1016

हिन्दी साहित्य का इतिहास

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण : 20

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिककाल – इन चारों कालखण्डों में विरचित हिन्दी साहित्य के इतिहास की सामान्य जानकारी देना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **आदिकाल –** सीमा-निर्धारण; नामकरण की समस्या; सिद्ध, नाथ, जैन एवं रासो काव्य की विशेषताएँ; प्रमुख कवि – सरहपा, गोरखनाथ, चंदबरदाई, अमीर खुसरो, विद्यापति

इकाई 2 **भक्तिकाल –** सीमा-निर्धारण; भक्ति-आन्दोलन का स्वरूप; सन्त, सूफी, राम एवं कृष्ण भक्ति-काव्यों की प्रवृत्तियाँ; प्रमुख कवि – कबीरदास, मलिक मुहम्मद जायसी, तुलसीदास, सूरदास, मीराँबाई

इकाई 3 **(क) रीतिकाल --** सीमा-निर्धारण; नामकरण की समस्या, रीतिकवियों का आचार्यत्व; रीतिकाल के प्रवर्तक; रीतिकालीन प्रमुख काव्यधाराएँ; प्रमुख कवि – केशवदास, बिहारीलाल, देव, भूषण, घनानन्द

(ख) आधुनिक काल -- सीमा-निर्धारण; आधुनिक और आधुनिकता; आधुनिककालीन भारतीय नवजागरण; आधुनिककालीन कविता की विकास-यात्रा; प्रमुख कवि – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, हरिऔध, मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, दिनकर, अज्ञेय, धूमिल

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. *हिन्दी साहित्य का आदिकाल* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
3. *हिन्दी साहित्य की भूमिका* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
5. *हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास* – डॉ॰ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. *रीतिकाव्य की भूमिका* – डॉ॰ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
7. *रीतिकाल : तथ्य और चिन्तन* – डॉ॰ सरोजिनी पाण्डेय, विकास प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर।

8. *हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (भाग 1 और 2)* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

9. *रीतिकालीन कवियों की प्रेम-व्यंजना* – डॉ॰ बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

HIN-HG-2016

मध्यकालीन हिन्दी कविता

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण : 20

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास, बिहारी और घनानन्द जैसी अमर विभूतियों का काव्य-रस प्रदान करना, साथ ही उन्हें सधुक्कड़ी, अवधी और ब्रजी हिन्दी से परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **<u>निर्धारित पाठ्य-पुस्तक</u>** – *मध्ययुगीन काव्य* : डॉ॰ बृजनारायण सिंह (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली

पाठ – **कबीर** (साखी : 16-30, पद : 5-6), पाठ – **सूरदास** (मुरली-वर्णन, भ्रमरगीत)

इकाई 2 **<u>निर्धारित पाठ्य-पुस्तक</u>** - *मध्ययुगीन काव्य* : डॉ॰ बृजनारायण सिंह (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली

पाठ – **तुलसीदास** (विनय पत्रिका, भरत विनय प्रसंग)

इकाई 3 **<u>निर्धारित पाठ्य-पुस्तक</u>** – *मध्ययुगीन काव्य* : डॉ॰ बृजनारायण सिंह (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली

पाठ – **बिहारी** (दोहा : 1-15), **घनानन्द** (छन्द : 1-6)

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *कबीर-मीमांसा* – डॉ॰ रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2. *कबीर* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

3. *सूर और उनका साहित्य* – डॉ॰ हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़।

4. *तुलसी साहित्य : विवेचन और मूल्यांकन* – डॉ॰ देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।

5. *गोस्वामी तुलसीदास* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली।

6. *बिहारी का नया मूल्यांकन* – डॉ॰ बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

7. *बिहारी का काव्य-सौष्ठव* – डॉ॰ कल्पना पटेल, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

8. *घनानन्द का साहित्यिक अवदान* – डॉ॰ हनुमंत रणखांब, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

HIN-HG-3016
आधुनिक हिन्दी कविता
कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 80
आन्तरिक परीक्षण : 20
क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

लक्ष्य : *विद्यार्थियों को खड़ीबोली हिन्दी में रचित द्विवेदीयुगीन, राष्ट्रीय-सांस्कृतिक, छायावादयुगीन एवं छायावादोत्तर कविताओं का रस प्रदान करते हुए उन्हें आधुनिक भाव-बोध तथा आधुनिक काव्य-शिल्प से परिचित कराना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 **निर्धारित पाठ्य-पुस्तक** : *हिन्दी काव्य-सुधा*, गौहाटी विश्वविद्यालय प्रकाशन विभाग।

पाठ : **हरिऔध** (आँख का आँसू), **मैथिलीशरण गुप्त** (पंचवटी में लक्ष्मण), **माखनलाल चतुर्वेदी** (युग-पुरुष)

इकाई 2 **निर्धारित पाठ्य-पुस्तक** : *हिन्दी काव्य-सुधा*, गौहाटी विश्वविद्यालय प्रकाशन विभाग।

पाठ : **जयशंकर प्रसाद** (मेरे नाविक, झरना), **महादेवी वर्मा** (मेरे दीपक, दीप मेरे जल), **बच्चन** (जो बीत गई सो बात गई)

इकाई 3 **निर्धारित पाठ्य-पुस्तक** : *छायावादोत्तर काव्य-संग्रह* -- राम नारायण शुक्ल और डॉ॰ श्रीनिवास पाण्डेय (संपा.), संजय बुक सेंटर, वाराणसी।

पाठ : **अज्ञेय** (साँप), **धर्मवीर भारती** (टूटा हुआ पहिया), **धूमिल** (रोटी और संसद)

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

2. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।

3. *हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

4. *छायावाद की परिक्रमा* -- श्याम किशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

5. *आधुनिक हिन्दी कविता* – डॉ॰ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

6. *आधुनिक कविता यात्रा* – डॉ॰ रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

7. *मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अंतर्कथाओं के स्रोत* -- शशि अग्रवाल, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

8. *हरिऔध के काव्य में राष्ट्रीयता एवं सामाजिकता* – डॉ॰ मंजु तरडेजा, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

9. *माखनलाल चतुर्वेदी : काव्य एवं दर्शन* – डॉ॰ दिनेश चन्द्र वर्मा, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

10. *महादेवी* – डॉ॰ परमानन्द श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

11. *जयशंकर प्रसाद* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

12. *अज्ञेय : कवि और काव्य* – डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

13. *धूमिल और उनका काव्य-संघर्ष* – डॉ॰ ब्रह्मदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

14. *समकालीन हिन्दी कविता* – ए. अरविन्दाक्षण, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

15. *धूमिल की काव्य-चेतना* – डॉ॰गीता अस्थाना, विद्या प्रकाशन, कानपुर।

16. *धर्मवीर भारती की काव्य-साधना* – डॉ॰ मंजूषा श्रीवास्तव, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद।

17. *बच्चन : कविता और जीवन के अन्तःसूत्र* – सीमा जैन, स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली।

18. *प्रसाद-निराला-अज्ञेय* – डॉ॰ रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

HIN-HG-4016

हिन्दी गद्य साहित्य

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आन्तरिक परीक्षण : 20

क्रेडिट : 6 (व्याख्यान : 4 + ट्यूटोरियल : 2)

<u>लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों के समक्ष हिन्दी उपन्यास, कहानी, निबन्ध -- जैसी गद्य-विधाओं की झाँकी प्रस्तुत करते हुए चुनी हुई रचनाओं का रसास्वादन कराना एवं उनके माध्यम से उभरते हुए जीवन-बोध का परिचय दिलवाना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

इकाई 1 उपन्यास

भीष्म साहनी : **तमस**

इकाई 2 कहानी

प्रेमचन्द : **ईदगाह** ; फणीश्वरनाथ रेणु : **तीसरी क़सम** ; यशपाल : **परदा** ; उषा प्रियम्वदा : **वापसी**

इकाई 3 निबन्ध

रामचन्द्र शुक्ल : **लोभ और प्रीति**

हजारी प्रसाद द्विवेदी : **कुटज**

विद्यानिवास मिश्र : **वसन्त आ गया पर कोई उत्कंठा नहीं**

<u>निर्धारित पाठ्य-पुस्तक</u> :

1. *तमस* – भीष्म साहनी, राजकमल पेपरबेक्स, नयी दिल्ली ।
2. *कहानी विविधा* – डॉ॰ देवीशंकर अवस्थी (संपा.), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. *कथा भारती* – डॉ॰ लक्ष्मीनारायण लाल (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
4. *नागर-कथाएँ* – डॉ॰ बालेन्दु शेखर तिवारी (संपा.), अमन प्रकाशन, कानपुर ।
5. *चिन्तामणि (पहला भाग)* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, इंडियन प्रेस (पब्लिकेशन्स), प्राइवेट लिमिटेड, प्रयाग ।
6. *हिन्दी निबन्ध* – डॉ॰ शिवप्रसाद सिंह (संपा.), हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी ।
7. *निबन्ध-निकष* – प्रो॰ महेन्द्र प्रताप (प्रधान संपा.), रवि प्रकाशन, आगरा ।

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *प्रेमचन्द* – डॉ॰ रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
2. *प्रेमचन्द : साहित्य विवेचन* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
3. *हिन्दी उपन्यास का इतिहास* – डॉ॰ गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
4. *हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा* – डॉ॰ रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।
5. *आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सृजन और आलोचना* – डॉ॰ चन्द्रकान्त बांदिबडेकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।
6. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
7. *कहानीकार प्रेमचन्द : रचना-दृष्टि और रचना-विधान* – शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
8. *विद्यानिवास मिश्र का निबंध-साहित्य : सन्दर्भ और अभिव्यक्ति* – डॉ॰ श्यामसुंदर पाण्डेय, विनय प्रकाशन, कानपुर ।
9. *तमस उपन्यास में देशविभाजन की त्रासदी* – प्रो॰ दिलीप फोलाने, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।
10. *रेणु का कथा-साहित्य* – डॉ॰ सुरेश चन्द्र महरोत्रा, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।
11. *कथाकार उषा प्रियम्वदा* – डॉ॰ सुभाष पवार, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।
12. *यशपाल का कहानी-संसार: एक अंतरंग परिचय* – सी.एम. योहन्नान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।